

सिंधुरमनिमय वि. (तत्.) जो गज मुक्ताओं से युक्त हो।

सिंधुरागामिनी वि./स्त्री. (तत्.) हथिनी की सी मस्त चाल चलने वाली स्त्री, गजगामिनी।

सिंधुरागामी वि./पुं. (तत्.) हाथी की सी चाल चलने वाला व्यक्ति।

सिंधुल पुं. (तत्.) राज भोज के पिता।

सिंधुवार पुं. (तत्.) 1. निर्गुंडी, संभालू 2. अश्व, घोड़ा।

सिंधुविष पुं. (तत्.) समुद्र मंथन के समय निकला हुआ विष, हलाहल, कालकूट।

सिंधुशयन पुं. (तत्.) क्षीरसागर में शयन करने वाले विष्णु।

सिंधुसंभवा स्त्री. (तत्.) फिटकरी।

सिंधुसर्ज पुं. (तत्.) साल वृक्ष।

सिंधुसंगम पुं. (तत्.) 1. नदी का मुहाना 2. नदी और समुद्र के मिलने का स्थान 3. नदियों के मिलन का स्थल।

सिंधु-संस्कृति स्त्री. (तत्.) सिंधु नदी की घाटी में प्रसरित प्राचीन संस्कृति आजकल उसे सरस्वती-सिंधु संस्कृति के नाम से जाना जाता है।

सिंधु-सुत पुं. (तत्.) जालंधर नामक अत्यंत शक्तिशाली राक्षस जिसे शिव जी ने मारा था।

सिंधु-सुता स्त्री. (तत्.) लक्ष्मी, सीप।

सिंधूरा पुं. (तद्.) संगीत में एक प्रकार की रागिनी।

सिंधोरा पुं. (तद्.) सिंदूर रखने की लकड़ी की बनी डिबिया, सिंदूरपात्र।

सिंब पुं. (तत्.) दे. शिंब।

सिंबा स्त्री. (तत्.) दे. शिंबा, नखी।

सिंबी स्त्री. (तत्.) शिंबी (छीमी या फली)

सिंसप पुं. (तत्.) शीशम का पेड़।

सिंसपा स्त्री. (तत्.) शिंशपा (शीशम)।

सिंह पुं. (तत्.) 1. बिल्ली की प्रजाति का किंतु उससे बड़े आकार का शक्तिशाली व भव्य एक हिंसक जंतु, जिसके गले में बड़े-बड़े बाल होते हैं। यह पशुओं में सबसे बलवान व श्रेष्ठ माना जाता है। केसरी, मृगेंद्र, वनराज 2. बारह राशियों में से एक सिंह राशि 3. लोक व्यवहार में बल वीर्य व श्रेष्ठता के प्रतीक के रूप में प्रचलित शब्द 4. वास्तुकला की दृष्टि से ऐसा प्रासाद या मंदिर जिसमें सिंह की मूर्तियाँ बनी होती हैं 5. जैन धर्मानुसार वर्तमान अवसर्पिणी के 24 वें अर्हत् का चिह्न जिसे जैन लोग झंडों में (रथ यात्रादि के समय) लगाते हैं 6. लाल सहिजन का वृक्ष 7. छप्पय छंद के सोलहवें भेद का एक नाम 8. संगीत में एक प्रकार राग 9. वैकट पर्वत 10. बैलों के सिर का एक आभूषण 11. एक पौराणिक पक्षी।

सिंह-कर्ण पुं. (तत्.) गवाक्ष या खिड़की का एक कोना।

सिंह-कर्मा वि. (तत्.) सिंह के समान पराक्रम या बहादुरी दिखाने वाला।

सिंह-केसर पुं. (तत्.) 1. सिंह की गरदन पर होने वाले बाल 2. बकुल (मौलसिरी) 3. फेनी नामक प्राचीन पकवान या मिठाई।

सिंहग पुं. (तत्.) शिव का एक नाम

सिंह गति वि. (तत्.) सिंह जैसी चाल वाला।

सिंह-घोष पुं. (तत्.) बुद्ध का एक नाम।

सिंहच्छदा स्त्री. (तत्.) सफेद दूब।

सिंह-तुंड पुं. (तत्.) नदी के तटस्थ चट्टानों पर रहने वाली एक विशेष प्रकार की मछलीद्व सेहूँड़।

सिंह-द्वार पुं. (तत्.) 1. प्राचीन वास्तुकला के अनुकूल किला, नगर व महल का प्रधान द्वार जिसके बाहरी ओर दोनों ओर सिंह की बड़ी आकृतियाँ बनी होती थी 2. बड़ा व मुख्य द्वार, सदर दरवाजा।

सिंह-नंदन पुं. (तत्.) संगीत में साठ प्रकार के तारों में से एक।